एवरशाइन

रतनमाला

हिंदी पाठ्य पुस्तक

भाग–5

वेदप्रकाश एम.ए.(हिंदी)

EVERSHINE® ESP PUBLISHERS

Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi-110046
Phone : 28111758, 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

पुस्तक का कोई भी अंश तथा चित्र किसी भी प्रकार से उद्धृत करना सर्वथा वर्जित है।
इस पुस्तक की कुंजी, गाइड अथवा किसी भी प्रकार की सहायक पुस्तक छापना वर्जित है।

Published by :
EVERSHINE PUBLISHERS
Soni House, WZ-348, Nangal Raya,
New Delhi-110046
Phone : 28111758, 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक-माला "एवरशाइन-रत्नमाला" के पाठों की रचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के आदर्श पाठ्यक्रम की सभी संस्तुतियों को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा के शिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पढ़ने, लिखने और समझने का कौशल सिखाना होता है। इस पुस्तक-माला का उद्देश्य भी यही है। इसकी प्राप्ति के लिए भाषा तथा विषय-वस्तु, दोनों को योजनानुसार सरल से कठिन तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर लाया गया है। यह करते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि आरंभ की कक्षाओं में विद्यार्थियों के मस्तिष्क पर कठिन शब्दावली तथा वाक्य-संरचनाओं का अधिक भार न पड़े। इसके अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री का चयन तथा लेखन विद्यार्थियों की आयु, अनुभव-सीमा एवं रुचि के अनुरूप किया गया है।

पुस्तक-माला की रचना भारत सरकार की संशोधित तथा परिवर्धित देवनागरी लिपि एवं हिंदी मानकीकरण के आधार पर की गई है। अधिकतर विषय चरित्र-निर्माण, मानव-मूल्य, सत्यता, पर्यावरण, सर्व-धर्म सभा, देश-प्रेम, स्वास्थ्य, खेल-कूद, अनुशासन तथा विज्ञान पर आधारित हैं। ये ऐसे विषय हैं जो विद्यार्थियों को देश का सफल नागरिक बनाने में सहायक होंगे।

पुस्तक-माला की सबसे बड़ी विशेषता है पाठ के अंत में विविध प्रकार के अभ्यास। इन अभ्यासों में परंपरागत प्रश्नों को अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। हमारा विश्वास है कि इन अभ्यासों को हल करने से निश्चय ही विद्यार्थियों के भाषा संबंधी ज्ञान में वृद्धि होगी।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक-माला विद्यार्थियों को स्वत: अध्ययन करने के लिए प्रेरित करेगी तथा उनके भाषा-विकास में सहायक होगी। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से प्राप्त होने वाले सुझावों का हम हार्दिक स्वागत करेंगे। ये सुझाव पुस्तक-माला के अगले संस्करण को रोचक बनाने में उपयोगी होंगे।

–प्रकाशक

विषय-सूची

1. वंदना 5-6
2. पृथ्वी का जन्म 7-11
3. पेड़-पौधे-हमारे जीवनदाता 12-16
4. टामस एल्वा एडीसन 17-22
5. परोपकार 23-25
6. शांति की खोज में 26-30
7. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस 31-34
8. नारदजी के विचित्र कारनामें 35-40
9. संतोष 41-43
10. मंत्र 44-51
11. महाकवि कालिदास 52-57

प्रश्न-पत्र—1 58

12. स्वावलंबन 59-63
13. मैं तो वही खिलौना लूँगा 64-66
14. मानव की चंद्रलोक पर विजय 67-72
15. शिशुपाल का न्याय 73-78
16. हमारा पड़ोसी-नेपाल 79-83
17. प्राकृतिक-सौंदर्य 84-86
18. बाधा पर विजय 87-92
19. ऐसे थे राजा पुरु 93-97
20. प्रायश्चित 98-104
21. नैपोलियन 105-109
22. दोहा-दशक 110-111

प्रश्न-पत्र—2 112

1 वंदना

पाठ-परिचय प्रस्तुत ईश-वंदना में बच्चे ईश्वर से विनती कर रहे हैं कि वह उन्हें अच्छे कार्य करने तथा अच्छे मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे।

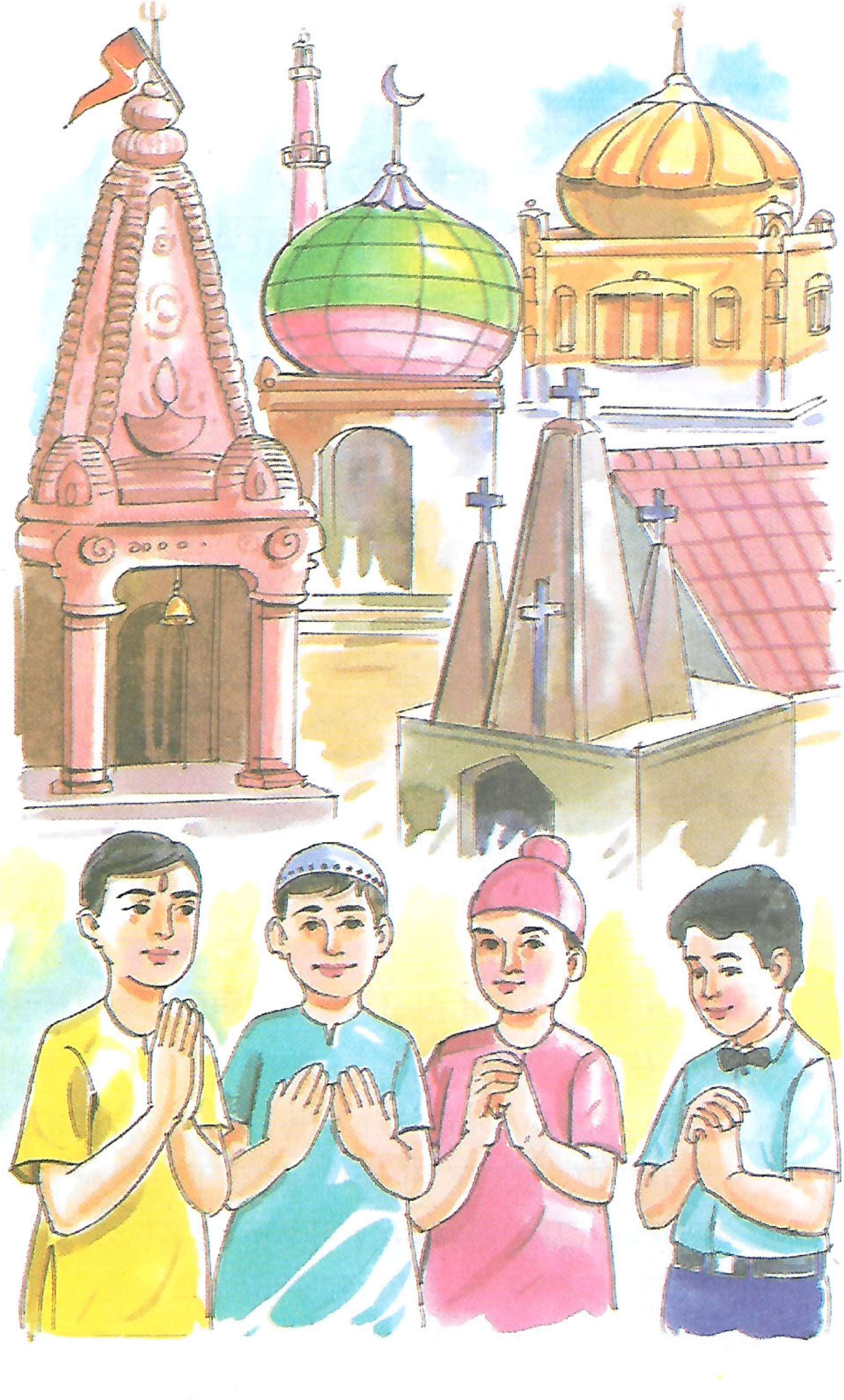

तू एक है, किंतु हैं तेरे,
तू ही जाने कितने नाम।
तू ही ईश्वर, तू ही अल्लाह,
तू ही ईसा, तू ही राम।।

तू ही धरती पर, तू अंबर में,
मंदिर, मस्जिद, गिरजा घर में।
तू रहता है सबके अंतर में,
कहाँ नहीं है तेरा धाम।।

सबका स्वामी, सबका पालक,
तेरे छोटे-छोटे बालक।
हाथ जोड़कर, शीश नवाकर,
हम करते हैं तुझे प्रणाम।।

हम सब बालक छोटे-छोटे,
दूर रहें उनसे जो खोटे।
जिनसे तू प्रसन्न होता हो,
सदा करें ऐसे ही काम।।

पढ़ो और समझो

अंबर	=	आकाश	अंतर	=	हृदय
धाम	=	घर	पालक	=	पालने वाला
नवाकर	=	झुकाकर	खोटे	=	बुरे

पाठ-बोध

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :

1. वंदना में भगवान् के कितने नामों का उल्लेख किया गया है?
2. हम सभी का पालक कौन है?
3. बच्चे कैसे काम करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं?

(ख) इन पंक्तियों को पूरा करो :

तू ही ____________________,
____________________ गिरजा घर में।
तू रहता ____________________,
____________________ तेरा धाम ।।

(ग) समझो और लिखो :

1. सबको पालने वाला — पालक
2. शासन करने वाला ____________
3. रक्षा करने वाला ____________
4. परीक्षा लेने वाला ____________
5. याचना करने वाला ____________

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ हैं। उनके अर्थ रिक्त स्थानों मे लिखो:

1. ईश्वर सबके <u>अंतर</u> में वास करता है। ____________
   ईश्वर और अल्लाह में कोई <u>अंतर</u> नहीं है। ____________
2. ईश्वर हम सबका <u>पालक</u> है। ____________
   <u>पालक</u> स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। ____________

योग्यता-विस्तार विभिन्न धर्मों के लोग ईश्वर की पूजा भिन्न-भिन्न रूप में करते हैं। ज्ञात करो कि अन्य धर्मों के लोग ईश्वर की पूजा कैसे करते हैं। उन धर्मों की पवित्र पुस्तकों के बारे मे जानकारी प्राप्त करो।